न्यूज डायरी

ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर की रेस में सबसे आगे भारतीय मूल के ऋषि सुनक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पूर्व चांसलर ऋषि सुनक ने सोमवार को संसद के कंजरवेटिव पार्टी के सदस्यों के बीच मतदान में शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं, उनके प्रतिद्वंदी टॉम तुगेंदत सबसे कम मत प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ से बाहर हो गए। ब्रिटिश भारतीय पूर्व वित्त मंत्री को तीसरे दौर के मतदान में 115 मत प्राप्त हुए, जिसमें व्यापार मंत्री पेनी मोर्डंट 82 मतों, विदेश सचिव लिज ट्रस 71 मतों के साथ और केमी बैडेनोच 58 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मंगलवार को होने वाले अगले दौर के मतदान में इस सूची के और घटने की उम्मीद है। केवल दो उम्मीदवार मैदान में बचे रहेंगे। पांच सितंबर तक विजयी उम्मीदवार तत्कालीन प्रधानमंत्री बॉरिस जॉनसन की जगह नए प्रधानमंत्री के रूप में पद की शपथ लेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे ऋषि सुनक ने कहा कि उन्हें अपने भारतीय सास–ससुर– इन्फोसिस के सह–संस्थापक नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की उपलब्धियों पर गर्व है।

इमरान खान के आगे नहीं झुकेंगे पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। उपचुनावों में बड़ी जीत हासिल करके जल्द चुनावों की आस लगाए बैठे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज ने बड़ा झटका दिया है। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि वो तय समय से पहले चुनाव कराने के मूड में नहीं है। साथ ही 17 अगस्त 2023 तक गठबंधन की सरकार सत्ता मे रहेगी और अपना कार्यकाल पूरा करेगी। पार्टी के सीनियर लीडर और पूर्व पीएम शाहिद खाकन अब्बासी की तरफ से साफ कर दिया गया है कि उनकी पार्टी जल्द चुनावों का विकल्प नहीं चुनेगी। सामना टीवी के प्रोग्राम को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये बात कही है। पंजाब उपचुनावों के बाद इस बात पर बहस हो रही है कि क्या सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी या फिर जल्द चुनावों का विकल्प चुनेगी। टीवी प्रोग्राम में बोलते हुए अब्बासी ने इस बात की संभावना को सिरे से नकार दिया कि देश में जल्द चुनाव होंगे।

यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार विदेशी दौरे पर पुतिन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बाहर ईरान के दौरे पर जा रहे हैं। पुतिन ईरान के दौरे पर वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खमनेई के साथ मुलाकात करेंगे। रूस और ईरान दोनों का ही इस समय पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के साथ तनाव काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में माना जा रहा है कि पुतिन की इस यात्रा से ईरान और रूस दोनों ही पश्चिमी देशों को कड़ा संदेश दे रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति की यह ईरान यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब अभी हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकर जैक सुल्लीवान ने कहा था कि हमारा खुफिया नेटवर्क बताता है कि ईरान रूस को कई हजार ड्रोन बेचना चाहता है।

फिनलैंड और स्वीडन की नाटो सदस्यता पर गहराए संकट के बादल!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्तानबुल। तुर्की के राष्ट्रपति रेसैप तैयप इर्दोगन ने एक बार फिर से फिनलैंड और स्वीडन को मिलने वाली नाटो की सदस्यता की राह में रुकावट डालने की कोशिश की है। राष्ट्रपति इर्दोगन ने कहा है कि जब तक ये दोनों देश उसकी शर्तों को मानने के लिए हामी नहीं भर देते हैं तब तक उनकी सदस्यता को रोक देना चाहिए। इर्दोगन ने एक बार फिर से इन दोनों देशों पर कुर्दिश आतंकवादियों को सुरक्षित स्थान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है इस माह के अंत में मैड्रिड में होने वाले नाटो समिट में इनको सदस्यता देने पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने ये बात रूस–ईरान–तुर्की सम्मेलन के बाद पत्रकारों से हुई वार्ता के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि स्वीडन और फिनलैंड को नाटो सदस्यता देने की प्रक्रिया को तब तक रोक देना चाहिए, जब तक कि वो सभी जरूरी शर्तों को पूरा नहीं कर देते हैं।

भारत के तालिबान दांव से चीन–पाकिस्तान अलर्ट

अब चीन ग्वादर बंदरगाह को काबुल से चाहता है जोड़ना

रणनीति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिसतान में सैन्य अड्डा बनाने में जुटा चीन अब अपने चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को अफगानिस्तान तक ले जाने की तैयारी जुट गया है। पाकिस्तान और चीन ने इस संबंध में रणनीति बनाई है। चीन का सीपीईसी प्रॉजेक्ट उसके बेल्ट एंड रोड पहल का हिस्सा है जिसे दुनियाभर में संदेह की नजर से देखा जा रहा है। चीन के इसी बीआरआई प्रॉजेक्ट में फंसकर श्रीलंका कंगाल हो गया है। अब चीन ग्वादर बंदरगाह को काबुल से जोड़ना चाहता है। चीन ने यह कदम ऐसे समय पर तेज किया है जब भारत ने भी तालिबान के साथ संपर्क बढ़ाया है और काबुल में अपने दूतावास को फिर से सक्रिय किया है।

भारत चीन की सीपीईसी परियोजना का कड़ा विरोध करता है जो पीओके से होकर जाती है। चीन की नजर अफगानिस्तान के अरबों डॉलर के

प्राकृतिक संसाधनों पर है। यही नहीं चीन अब अफगानिस्तान के रास्ते मध्य एशिया के अन्य देशों तक अपनी पहुंच बनाना चाहता है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक अफगानिस्तान के लिए चीन के विशेष दूत यूई शिआओयोंग और विदेश सचिव सोहैल महमूद ने इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय में एक बैठक की है। आधिकारिक जानकारी मुताबिक दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान के राजनीतिक और सुरक्षा हालात पर विचारों का आदान प्रदान किया।

अफगानिस्तान को कहा जाता है लिथियम का सऊदी अरब: इस बातचीत के बाद जारी बयान में कहा गया है कि क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से दोनों पक्ष सीपीईसी को विस्तारित करके उसे अफगानिस्तान तक ले जाने को लेकर विचारों का आदान–प्रदान किए हैं। पाकिस्तान के विदेश सचिव ने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से जारी किया जाए और वहां पर बैंकिंग की सुविधाओं को फिर संचालित करने की अनुमति दी जाए। इससे पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के साथ बातचीत में भी सीपीईसी को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। चीनी दूत के पाकिस्तानी विदेश सचिव से मुलाकात को तालिबान राज में भी भारत के बढ़ते प्रभाव से जोड़कर देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन की कोशिश है कि अफगानिस्तान के अरबों डॉलर के कोयला, सोना, तांबा, कोबाल्ट पर कब्जा किया जा सके। दरअसल, करोड़ों साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप के एशिया से टकराने पर धरती पर मौजूद दुर्लभ खनिजों का विशाल भंडार अफगानिस्तान में इकट्ठा हो गया था। इन खनिजों का खनन अफगानिस्तान की सूरत को पूरी तरह बदल सकता है।

लद्दाख पर डटा रहा भारत अब डराने में जुटी चीनी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीनी ड्रैगन ने लद्दाख को लेकर ने एक बार फिर से नापाक चाल चली है। भारतीय सेना और पीएलए के बीच बातचीत के ठीक बाद चीन की सरकारी मीडिया ने चीनी कब्जे वाले पैंगोंग झील के हिस्से पर युद्धाभ्यास का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में चीनी सेना के तीन लड़ाकू हेलिकॉप्टर उड़ान भरते हुए नजर आ रहे हैं। चीन ने इस वीडियो को ऐसे समय पर जारी किया है जब कोर कमांडर स्तर पर 16वें दौर की बातचीत के बाद भी लद्दाख में चल रहे गतिरोध में कोई सफलता नहीं मिल पाई।

इस बातचीत के दौरान भारत ने व्यापक रूप से सेनाओं के वापसी पर जोर दिया, वहीं चीन ने डेमचोक और देपसांग पर बातचीत करने से ही इंकार कर दिया। इससे एक बार फिर से बातचीत बेनतीजा साबित हुई।

ताजा बातचीत में दोनों ही पक्ष जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने में सहमत हुए हैं। साथ ही आगे भी बातचीत को जारी रखने और विवादों को आपसी सहमति से हल करने का फैसला हुआ है। दोनों पक्षों के बीच यह बातचीत करीब 12 घंटे तक चली।

इस बातचीत के बाद चीन की सरकारी मीडिया ने दबाव बनाने के लिए पैंगोंग झील पर हेलिकॉप्टर उड़ाने का वीडियो जारी किया है।

यूरोप में गर्मी का कहर, इंग्लैंड में पारा 40 डिग्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इस समय पूरा यूरोप गर्मी में उबल रहा है। स्पेन और फ्रांस के जंगलों में लगी आग ने मुश्किलों का और बढ़ा दिया है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) से लेकर हर हिस्से में तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। स्पेन में लगी आग में दो व्यक्तियों की मौत ने इसे और गंभीर बना दिया है। स्पेन के पीएम पेद्रो सांचेज ने इस स्थिति को ग्लोबल वॉर्मिंग से जोड़ा है और कहा है कि अब क्ल्लाइमेट चेंज लोगों की जान लेने लगा है। दक्षिणी इंग्लैंड में सोमवार को तापमान 38 डिग्री था तो मंगलवार को ये 41 डिग्री तक पहुंच गया। नेशनल रेल सर्विस ने पैसेंजर्स को जब तक जरूरी न हो सफर न करने के लिए कहा है। उत्तर–पूर्वी इंग्लैंड में कई हिस्सों में रेल सर्विसेज बंद रहेंगी।

भारत, यूरोप, अफ्रीका...भीषण गर्मी से उबलकर लाल हुई दुनिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एशिया, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में पड़ रही भीषण गर्मी को लेकर दुनिया को आगाह किया है। इन सभी जगहों पर तापमान 40 डिग्री के पार जा चुका है और कई जगहों पर गर्मी का रेकॉर्ड टूट गया है। नासा ने 13 जुलाई 2022 की इस तस्वीर में दिखाया है कि किस तरह से पूर्वी गोलार्द्ध में सतह का तापमान है। नासा के नक्शे में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से तो बहुत ही ज्यादा गर्मी की चपेट में हैं।

नासा के गोड्डार्ड स्पेस फ्लाइट

कई जगहों पर गर्मी का रेकॉर्ड टूट गया

सेंटर के स्टीवन पावसोन ने कहा कि विभिन्न जगहों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि वहां ठंडे होने पर नजर आने वाला नीला रंग अब लाल में बदल गया है जो भीषण गर्मी का संकेत है। धरती का यह विशाल इलाका भीषण गर्मी की चपेट में है जो इस बात का संकेतक है कि इंसानों की ओर से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से मौसम में यह खतरनाक बदलाव आया है और इसका असर हमारे जीवन परिस्थितियों में साफ नजर आ रहा है।

पुर्तगाल में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस, आधा देश अलर्ट पर पश्चिमी यूरोप जहां पहले ही भीषण सूखे से गुजर रहा है, वहां भयानक गर्मी ने आग को भड़का दिया है जो पुर्तगाल, स्पेन और फ्रांस के कुछ हिस्सों तक भड़क गई है। पुर्तगाल में तापमान 13 जुलाई को 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और 3 हजार हेक्टेयर का इलाका जलकर राख हो गया। आधा देश रेड अलर्ट पर है और देश में 14 जगहों पर आग लगी है। फायर फाइटर्स इसे बुझाने में जुटे हुए हैं। यही नहीं स्पेन के मैड्रिड शहर में 1500 हेक्टेयर इलाका जलकर राख हो गया। इटली में रेकॉर्ड गर्मी से मारमोलादा ग्लेशियर का एक हिस्सा गिर गया।

विपक्षी नेता प्रेमदास ने राष्ट्रपति के रेस से वापस लिया अपना नाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में जारी संकट के बीच राष्ट्रपति चुनाव का आयोजन होना है। इसके लिए नामांकन करा चुके विपक्षी नेता सजीत प्रेमदास ने मंगलवार को अपना नाम वापस ले लिया। ऐसा उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को समर्थन देने के लिए किया है। बता दें कि श्रीलंका में 20 जुलाई को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव है। संसद के अनुसार, कल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अब रानिल विक्रमसिंघे, डलास अलाहापेरुमा और अनुरा कुमार दिस्सनायक उम्मीदवार हैं। प्रेमदास ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, अपने देश के बेहतर हालात के व यहां की जनता की खुशी के लिए, राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारों की लिस्ट से मैं अपना नाम वापस लेता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी डलास अलाहापेरुमा को विजयी बनाने के लिए पूरी मेहनत करेगी। पिछले सप्ताह शुक्रवार को श्रीलंका के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद विक्रमसिंघे ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया।